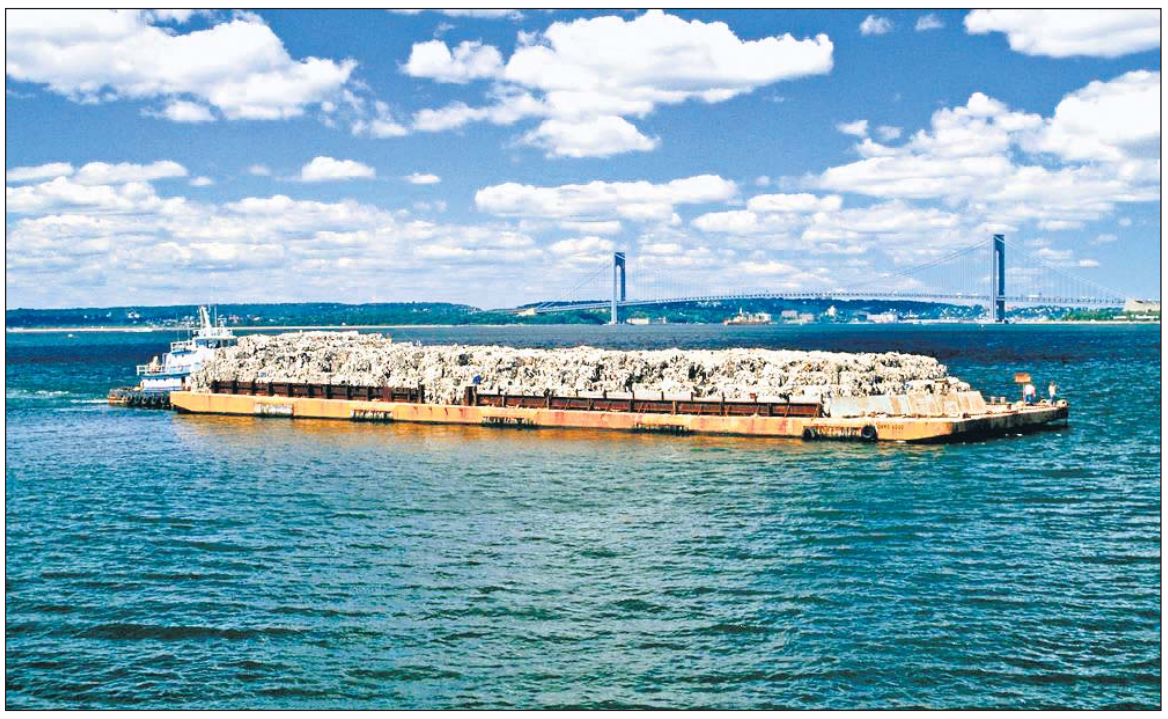

हर साल विकसित देश अपना लाखों टन कचरा अफ्रीका, एशिया व दक्षिण अमेरिका के गरीब देशों में भेजते हैं, रीसाइक्लिंग के लिए, क्योंकि कचरे का एक्सपोर्ट करना ज्यादा सस्ता पड़ता है, बजाय रीसाइक्लिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के। विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को भेजे जाने वाले कचरे पर वैसे तो किसी का ध्यान नहीं जाता है, लेकिन, नब्बे के दशक के अंत में हुई एक घटना ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इस अन्यायपूर्ण व्यापार पर प्रकाश डाला। सत्तर के दशक से ही फिलडैल्फिया अपना कचरा म्युनिसिपल वेस्ट इनसिनरेटर (भट्ठी) में जलाता आ रहा था और इसकी राख को न्यूजर्सी के लैंडफिल में भेजा जाता था, लेकिन 1984 में न्यूजर्सी को जब पता लगा कि इस राख में आर्सेनिक, कैडमियम, लैड, मर्करी, डायॉक्सिन और अन्य टॉक्सिन्स बहुत ज्यादा मात्रा में हैं, तो उसने राख लेने से मना कर दिया। फिर 6 अन्य राज्यों ने भी ऐसा ही किया। इससे फिलडैल्फिया राज्य दुविधा में पड़ गया, क्योंकि हर साल बनने वाली18 लाख टन राख को खपाने के लिए जगह नहीं थी। फिर तय किया गया कि, इसे समुद्र में दूर भेज दिया जाए, जहां पर्यावरण ज्यादा प्रभावित ना हो। वर्ष 1986 में फिलडैल्फिया ने राख से मुक्ति पाने के लिए 60 लाख डॉलर में एक कम्पनी की सेवाएं लीं। उक्त कम्पनी ने किसी एक अन्य कम्पनी को हायर किया। उस कंपनी ने खियान सी नाम के अपने कार्गो शिप से 11 अगस्त को चौदह हजार टन राख बहामा के लिए भेजी। पर बहामा को ग्रीन पीस नाम के एक पर्यावरण संगठन ने पहले ही सच्चाई बता दी तो उसने भी शिप लौटा दिया। लगभग 14 माह तक शिप एटलांटिक सी में घूमता रहा। दिसम्बर 1987 में अफ्रीकी देश हैती को खाद की आड़ में राख देने की कोशिश की गई। जब खियान सी ने समुद्र तट पर राख डालना शुरु किया तो फिर से ग्रीन पीस ने खेल बिगाड़ दिया। सच्चाई को जानकर हैती सरकार ने जहाज के कैप्टन से राख वापस लोड करवाने को कहा। लेकिन जहाज का कैप्टन, तट पर 400 टन राख छोड़ कर रातों रात जहाज लेकर भाग गया। वर्षों बाद जहाज के कैप्टन ने कोर्ट में स्वीकार किया कि राख एटलांटिक और हिंद महासागर में डाल दी गई थी, जो अन्तर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन था। वर्ष 1993 में खियान सी पर मुकदमा चलाया गया और 1999 में जहाज को तोड़ दिया गया। हैती के तट पर छोड़ी गई राख की मात्रा हवा व बारिश की वजह से हालांकि कम हो गई थी पर 1995 में कम्पनी को हैती से राख वापस लेनी पड़ी।

'जे.डी.एस. को दिया गया वोट कांग्रेस के ही खाते में जायेगा'

प्र.मंत्री मोदी ने कर्नाटक में जनसभा में कहा, दोनों कमजोर पार्टियां चुनाव के बाद एक हो जायेंगीं और कर्नाटक के राजनीतिक वातावरण को अस्थिर कर देंगी

■ प्रधानमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस और जे.डी.एस. एक दूसरे से अलग होने का दिखावा कर रही हैं। पिछले चुनाव में भी दोनों दलों के नेता एक दूसरे को गाली दे रहे थे, लेकिन चुनाव खत्म भी नहीं हुआ था कि, दोनों ने एक-दूसरे से हाथ मिला लिया था।

बैंगुलुरु, 30 अप्रेल। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जे.डी.एस. और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दलों पर परिवारवाद का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस और जे.डी.एस. एक दूसरे से अलग होने का दिखावा कर रही है। पिछले चुनाव में भी दोनों दलों के नेता एक दूसरे को गाली दे रहे थे, लेकिन चुनाव खत्म भी नही हुआ था कि, दोनों ने एक दूसरे से हाथ मिला लिया था। दोनों ही दलों में ऐसे ही दिखावे वाली लड़ाई चलती रहती है। प्रधानमंत्री ने रैली में उपस्थित कहा कि जे.डी.एस. को दिया गया हर वोट कांग्रेस के ही खाते में जाएगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में निम्न बातों का प्रमुखता से जिक्र किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस और जे.डी.एस.के बीच दिखावे वाली लड़ाई चलती है। डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., नूराकुश्ती, संसद में भी कांग्रेस और जे.डी.एस. हर मुद्दे पर साथ ही होते हैं इसलिए जे.डी.एस. को दिया गया वोट कांग्रेस के खाते में ही जाएगा और कांग्रेस को वोट देना मतलब विकास पर ब्रेक लगाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता किसी भी हालत में अपने भाग्य को जे.डी.एस. और कांग्रेस के हाथों में नही सौंप सकती है। मोदी ने कहा कि बीजेपी की सरकार में माहौल काफी बदला है। अब विदेशी कंपनी भारत आना चाहती है। कर्नाटक के विकास के लिए बीजेपी जरूरी है।

प्र.मंत्री मोदी ने कांग्रेस और जे.डी.एस. पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं को हर बात के लिए दिल्ली में बैठे एक परिवार के सामने घुटने टेकने पड़ते हैं। वही हालत जे.डी.एस. में भी है यहां भी हर कार्य एक ही परिवार के लिए होता है।

प्र.मंत्री ने कहा कि जे.डी.एस.जो पार्टी है, ये पार्टी भी पूरी तरह से एक परिवार की प्राइवेट लिमिटेड पार्टी है। इस पार्टी के बड़े चेहरे अपनी सारी ताकत, अपने परिवार को बसाने में ही खर्च कर रहे हैं।

पार्टी से जुड़ी ज्यादातर हेडलाइन यही होती है कि परिवार के किस सदस्य का पलड़ा भारी है। इस बात की चर्चा नही होती कि उनके पास लोगों के लिए क्या एजेंडा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार कर्नाटक ने तय कर लिया है कि दशकों से जोड़-तोड़ से अस्थिर सरकारों की जो राजनीति चली है उसे खत्म करना है। कांग्रेस और जे.डी.एस. दोनों ही अस्थिरता के प्रतीक हैं। देश में जिन राज्यों में भी कांग्रेस की सरकारें बची हैं वहां उनकी पहचान आपसी झगड़े से है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में क्या चल रहा है वे सब देख रहे हैं।

प्र.मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि, उनकी सरकार ने गरीबों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए काम किया है। मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति हुआ करती थी।

प्रधानमंत्री ने किसानों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार लगातार उनके लिए काम कर रही है। किसानों की आय को बढ़ाने पर काम किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने यूरिया में भी घोटाला कर लिया था। बीजेपी नेनो यूरिया पर काम कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि, कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार जरूरी है। अगर डबल इंजन की सरकार नही होती तो इतनी तेजी से राज्य में रेलवे के कार्य नही होते। प्र.मंत्री ने कहा कि, कांग्रेस की सरकारों के दौरान किसान को कर्ज़ माफी के नाम पर ठगा जाता था। भाजपा सरकार ने छोटे से छोटे किसान को भी किसान सम्मान निधि का सहारा दिया। केंद्र सरकार जो पैसे भेजती है उसमें यहां की भाजपा सरकार प्रति किसान 4 हजार रुपये जोड़ देती है।

'मुझे खुदको सांप कहलाना स्वीकार है'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सांप वाली टिपण्णी पर जवाब देते हुए कहा, सांप भगवान शिव का श्रृंगार है

■ प्र.मंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए जमकर साधा निशाना। उन्होंने कहा, भगवान शंकर के गले का श्रृंगार नाग है और मेरे लिए देश की जनता भगवान का रूप है। इसलिए, मैं सांप बनना स्वीकार करता हूं जो कि भगवान शंकर का एक श्रृंगार है।

कोलार, 30 अप्रैल (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सांप वाली टिपण्णी पर जवाब देते हुए रविवार को कोलार में एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि वह सांप कहलाना स्वीकार करते हैं क्योंकि यह भगवान शिव का शृंगार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब कर्नाटक चुनाव में उनका सबसे बड़ा मुद्दा क्या है? चुनाव में सांप अब कांग्रेस के लिए लिए सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। ये लोग मेरी तुलना सांप से कर रहे हैं और जनता से वोट मांग रहे हैं।

मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए जमकर साधा निशाना। उन्होंने कहा,भगवान शंकर के गले का शृंगार नाग है और मेरे लिए देश की जनता भगवान का रूप है। इसलिए, मैं सांप बनना स्वीकार करता हूं जो कि एक श्रृंगार है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी। उन्होंने यहाँ जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा,लेकिन मैं जानता हूं कि संतों और कर्मकांडों की भूमि कर्नाटक की जनता कांग्रेस के इस अपमान का अपने मतों से मुंहतोड़ जवाब देगी और उसके सारे मंसूबों को धराशायी कर देगी।

मोदी ने कहा,कांग्रेस के खिलाफ भगवान तुल्य जनता की यह नाराजगी और गुस्सा 10 मई को पोलिंग बूथ पर जोरों से निकलने वाला है।

मोदी ने 40 प्रतिशत कमीशन कर्नाटक सरकार वाले कांग्रेस के बयान के खिलाफ पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस 85 प्रतिशत कमीशन वाली पार्टी है, इस तथ्य को उसके वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने स्वीकार किया था। कांग्रेस को हमेशा 85 प्रतिशत कमीशन की पार्टी के रूप में जाना जाता है।

उन्होंने कहा,कांग्रेस हमेशा से 85 फीसदी कमीशन की पार्टी के रूप में जानी जाती रही है। कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री (राजीव गांधी) ने कहा था कि एक रुपये में से 15 पैसे ही लाभार्थी के पास पहुंचते हैं। यह उनके पीएम की स्वीकृति है और इसलिए कांग्रेस सरकार कभी भी कर्नाटक का विकास नही कर सकती है।

गौरतलब है कि कर्नाटक कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप लगाया था। लेकिन, सत्ता पक्ष यह कहकर इसे खारिज करता रहा है कि विपक्षी दल ने भ्रष्टाचार के आरोपों को साबित करने के लिए एक भी कानूनी कदम नही उठाया है।

मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व ही जमानत पर बाहर है तो लोग भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद नही कर सकते।

उन्होंने कहा,आज भी,शाही परिवार और उनके करीबी सहयोगी करोड़ों रुपये के विभिन्न घोटालों में जमानत पर बाहर हैं। यदि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व जमानत पर है तो आप भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की उम्मीद नही कर सकते।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड अपनी गारंटियों को पूरा नहीं कर रहा है।

कर्नाटक में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए कांग्रेस और जे.डी.एस. का यह परम्परागत गढ़ काफी महत्वपूर्ण है।

लोगों के बीच प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि, महाराजा पैलेस सहित प्रतिष्ठित मैसूर इमारतों के साथ-साथ न केवल नागरिक बल्कि पर्यटक भी प्रधानमंत्री मोदी को देखने के लिए उमड़ पड़े।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मोदी के 5 किलोमीटर इस असाधारण रोड शो के लिए लाइन में लगने के लिए कई दिहाड़ी मजदूरों ने भी अपना काम छोड़ दिया। प्रधानमंत्री के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया वाहन जब मार्ग से गुजर रहा था तो लगभग एक लाख लोग सड़क के दोनों किनारों पर खड़े थे और मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे।

विशेष वाहन पर सवार मोदी ने मैसूरु पेटा पहन रखा था और उन्होंने लोगों के अभिवादन को स्वीकार किया। लोगों ने उन पर फूल बरसाए। उनके साथ कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा, कर्नाटक के पूर्व मंत्री एस.ए. रामदास और मैसूरु-कोडागु के सांसद प्रताप सिम्हा थे। रोड शो के दौरान उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गयी जब उनके किसी प्रशंसक ने मोबाइल फोन फेंक दिया जो वाहन की छत पर जा गिरा।

'मन की बात में उठाये गये कई मुद्दे जन आंदोलन भी बने हैं'

■ प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आकाशवाणी कार्यक्रम के 100वें एपिसोड में इस कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुये कहा कि, जितनी बार यह कार्यक्रम प्रसारित हुआ हर बार भारत की उपलब्धियां भी बढ़ती गईं

■ उन्होंने कहा, मेरे लिए मन की बात की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि, हर बार मुझे नये नये उदाहरणों की नवीनता, हर बार देशवासियों की नई सफलताओं का विस्तार देखने को मिला।

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि रेडियो पर हर माह प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के जरिए उन्होंने जनता से जुड़े जो भी मुद्दे उठाए हैं वे सब जन आंदोलन बने हैं और उनसे लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 100वीं कड़ी के प्रसारण के दौरान कहा कि इस कार्यक्रम में उन्होंने जिस विषय को भी उठाया वह आंदोलन बन गया। मन की बात के जरिए देश के आम लोगों से जुड़ने का मौका मिला और उनके परंपरा से हटकर की किए जा रहे कार्यों से भी रू-ब-रू होने का इसके जरिये अवसर मिला।

उन्होंने कहा , मेरे लिए मन की बात की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि हर बार मुझे नये नये उदाहरणों की नवीनता, हर बार देशवासियों की नई सफलताओं का विस्तार देखने को मिला। 'मन की बात' में देश के कोने-कोने से लोग जुड़े, हर आयु-वर्ग के लोग जुड़े। बेटी-बचाओ बेटी-पढ़ाओ की बात हो, स्वच्छ भारत आन्दोलन हो, खादी के प्रति प्रेम हो या प्रकृति की बात, आजादी का अमृत महोत्सव हो या फिर अमृत सरोवर की बात हो, मन की बात' के जरिये जिस विषय से भी जुड़ा, वे सब जन-आंदोलन बन गए।

मोदी ने कहा , जब मैंने, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ साझा 'मन की बात' की थी तो इसकी चर्चा पूरे विश्व में हुई थी। आप कल्पना करिए, मेरा कोई देशवासी 40-40 साल से निर्जन पहाड़ी और बंजर जमीन पर पेड़ लगा रहा है, कितने ही लोग 30-30 साल से जल-संरक्षण के लिए बावड़ियां और तालाब बना रहे हैं, उसकी साफ़-सफाई कर रहे हैं। कोई 25-30 साल से निर्धन बच्चों को पढ़ा रहा है, कोई गरीबों की इलाज में मदद कर रहा है। कितनी ही बार 'मन की बात' में इनका जिक्र करते हुए मैं भावुक हुआ हूँ।

उन्होंने आगे कहा 'मन की बात' की एक और विशेषता रही है कि इसके जरिए कितने ही जन-आन्दोलन ने जन्म भी लिया है और गति भी पकड़ी है। जैसे हमारे खिलौने उद्योग को फिर से स्थापित करने का मिशन 'मन की बात' से ही तो शुरू हुआ था। इसी तरह से भारतीय नस्ल के श्वान यानी हमारे देशी डॉग्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने की शुरुआत भी तो 'मन की बात' से ही की थी। हमने एक और मुहिम शुरू की थी कि हम ग़रीब छोटे दुकानदारों से मोलभाव नही करेंगे, झगड़ा नही करेंगे। जब 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू हुई, तब भी 'मन की बात' ने देशवासियों को इस संकल्प से जोड़ने में खूब भूमिका निभाई। ऐसे हर उदाहरण समाज में बदलाव का कारण बने हैं।

देश के पहले गांव "माणा" ने भी सुनी "मन की बात"

■ भाजपा ने प्र.मंत्री के प्रोग्राम को सुनने के लिए भारत-तिब्बत चीन सीमा क्षेत्र में देश के पहले गांव माणा से लेकर बद्रीनाथ और अन्य स्थानों पर "मन की बात" प्रोग्राम को सुनने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये।

माणा 30 अप्रैल (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' के 100 वें एपिसोड को सुनने के लिए भारतीय जनता पार्टी व विभिन्न संगठनों ने भारत तिब्बत चीन सीमा क्षेत्र पर भारत के पहले गांव माणा से लेकर बद्रीनाथ और अन्य स्थानों पर अलग अलग तरीके से कार्यक्रम आयोजित किए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100 एपीसोड सुनने के लिए भारत तिब्बत चीन, सीमा पर भारत के पहले गांव माणा जो उत्तराखंड के चमोली में ग्रामीणों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट,बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार सहित बड़ी संख्या में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वाईब्रेंट विलेज माणा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100 वें एपिसोड को सुनने पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय जनता ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन तथा पूजा के बाद मन की बात कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में माणा गांव के लोगों के साथ सहभागिता कर मन की बात सुनी इस अवसर पर मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार माणा पंचायत प्रधान पीतांबर मोल्फा, भाजपा जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष कीरत सिंह भंडारी, उपाध्यक्ष नंदी राणा, अवधेश रावत, अंशुमान भंडारी, किशोर बड़वाल, नरेन्द्र बड़वाल, भगत बड़वाल, गजेन्द्र चौहान,बीना बड़वाल,मनीषा बड़वाल आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात के 100 वां एपिसोड कार्य क्रम के लिए बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति के ध्यान केन्द्र में आयोजन हुआ । बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तीर्थयात्रियों साधु-संतों के साथ मन की बात सुनी।

अजेन्द्र अजय ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से आम जनमानस को प्रेरणा तथा प्रोत्साहन मिला है बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओं से लेकर पर्यावरण, स्वरोजगार शिक्षा,स्वास्थ्य, पेयजल के मुद्दो पर कार्यकर रहे लोगों को मन की बात सुनकर नयी उर्जा मिली है। इस अवसर पर भाजपा पूर्व महामंत्री प्रवेश डिमरी, जय कपूर, अधिशासी अभियंता अनिल ध्यानी, डाक्टर हरीश गौड़ गिरीश देवली, राजेंद्र सेमवाल, संतोष तिवारी, अजीत भंडारी व बड़ी संख्या में यात्री तथा साधू संत मौजूद रहे।

अप्रेल के अंत में करोना के मामले थोड़ी ढलान की तरफ

■ रविवार को देश में पिछले 24 घंटे में करोना संक्रमण के 5874 मामले सामने आए।

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे में करोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 5874 मामले सामने आए और इसी अवधि में 16 मरीजों की मौत हुई।

इस बीच देश में करोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 3,167 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,66,66,261 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में 3,137 मरीज अस्पताल में भर्ती हुए और इसके बाद सक्रिय मामले घटकर 49,015 रह गयी है। देश में मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,533 हो गयी है। इसी अवधि में करोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 8148 बढ़कर 4,43,64,841 पर पहुंच गया है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान ओडिशा में सक्रिय मामलों की संख्या में सर्वाधिक 108 की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल में 116, हिमाचल प्रदेश में 49, छत्तीसगढ़ में 46, जम्मू-कश्मीर में 11, मेघालय में एक, मिजोरम में छह और अरुणाचल प्रदेश में छह मामले बढ़े हैं। इसके अलावा हरियाणा में दो, कर्नाटका में दो, नागालैंड में दो, पुडुचेरी में सात, और त्रिपुरा में सात मामले बढ़े हैं। वहीं पिछले 24 घंटे में केरल में सबसे ज्यादा 688 करोना मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है। इसी अवधि में महाराष्ट्र में 638, दिल्ली में 413, उत्तर प्रदेश में 258, पंजाब में 67, तमिलनाडु में 198, राजस्थान में 193 सहित अन्य राज्यों अंडमान और निकोबार द्वीप, आन्ध्र प्रदेश, चंडीगढ़, गोवा, झारखंड, लद्दाख, मध्यप्रदेश, नागालैंड, पुड्डुचेरी और तेलंगाना में करोना के मामलों में कमी आयी है।

लुधियाना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये। स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस ने पूरा इलाका सील कर दिया।

गोयल मिल्क प्लांट नाम की इस फैक्टरी में बड़ी कंपनियों के डेयरी उत्पाद आते हैं और आगे सप्लाई किए जाते हैं। फिलहाल गैस लीक के कारणों का पता नहीं लगत सका है, प्रशासन गैस लीक के कारणों का पता लगाने में जुटा हुआ है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मिल्क प्रॉडक्ट को ठंडा करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गैस लीक हो गई है। इस घटना का असर आसपास के करीब 300 मीटर एरिया में देखा गया। 300 मीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को गैस रिसाव के कारण सांस लेने में दिक्कत हुई।

बृजभूषण शरण सिंह ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा था कि, उनके लिए पद से इस्तीफा देना कोई बड़ी बात नही थी, लेकिन वे "एक अपराधी के रूप में" ऐसा नही करेंगे। बृजभूषण सिंह का विरोध करने वाले पहलवान लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

बृजभूषण सिंह ने इस मामले में कहा, "उनकी (पहलवानों की) मांगें लगातार बदल रही हैं। उन्होंने पहले मेरा इस्तीफा मांगा, मैंने कहा कि, इसका मतलब मेरे खिलाफ आरोपों को स्वीकार करना होगा। इस्तीफा कोई बड़ी बात नही है, लेकिन मैं इसे एक अपराधी के रूप में नही करूंगा, मैं अपराधी नही हूं।"

बृजभूषण सिंह ने दोहराया कि, वे निर्दोष हैं और किसी भी जांच में सहयोग करेंगे, क्योंकि उन्हें न्याय व्यवस्था और जांच एजेंसियों पर भरोसा है।

इसके साथ ही बृजभूषण सिंह ने दावा किया कि "एक व्यवसायी" उनकी छवि को धूमिल करने की साजिश का हिस्सा था।

बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगट सहित अन्य पहलवानों के दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन के बीच दिल्ली पुलिस ने बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के आदेश के घंटों बाद दो मामले दर्ज किए हैं।

भारत डॉलर को त्यागकर अंतर्राष्ट्रीय भुगतान के दूसरे माध्यमों की खोज की ओर तेजी से अग्रसर हुआ

सिंगापुर के साथ पहले ही भारत अलग डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरु कर चुका है और अब रूस के साथ रूपे और एम.आई.आर. कार्ड व अन्य भुगतान माध्यमों की डील पर सहमति बनने ही वाली है

नई दिल्ली, 30 अप्रेल। भारत और रूस एक दूसरे के देश में रूपे और एम.आई.आर. कार्ड स्वीकार करने की संभावना तलाश रहे हैं। दरअसल, मॉस्को (रूस) पर पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद दोनों देश आपस में किए जाने वाले भुगतान को आसान बनाने के लिए इस बारे में विचार कर रहे हैं।

हाल ही में व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर उच्च स्तरीय सरकारी आयोग की बैठक में रूपे और एम.आई.आर. कार्डों की स्वीकृति के लिए चर्चा की गई है और सहमति भी बनी है।

रूपे कार्ड (भारत) और एम.आई.आर. कार्ड (रूस) की स्वीकृति से भारतीय और रूसी नागरिकों को अपने संबंधित देशों में भारतीय रुपये और रूसी रूबल में बिना किसी परेशानी के पेमेंट करने में मदद मिलेगी। बता दें, विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उप प्रधान मंत्री डेनिस मंटुरोव की अध्यक्षता में हुई बैठक में यूनिफाइड पेमैंट इंटरफेस (यू.पी.आई.) और बैंक ऑफ रूस के फास्टर पेमेंट्स सिस्टम (एफ.पी.एस.) के बीच बातचीत की संभावना तलाशने पर सहमति हुई है।

इसके अलावा, सीमा पार भुगतान के लिए रूसी फाइनेंशल मैसेजिंग सिस्टम (आर.एफ.एम.एस), बैंक ऑफ रूस के सर्विस ब्यूरो ऑफ फाइनेंसियल मैसेजिंग सिस्टम को अपनाने पर भी सहमति हुई।

आपको बता दें कि वर्तमान में, भारत से विदेश में और विदेश से भारत में पैसों का भुगतान स्विफ्ट नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है। हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधान मंत्री ली सीन लूंग ने यू.पी.आई. और "पे-नाओ" के बीच क्रॉस-बॉर्डर कनैक्टिविटी सिस्टम लॉन्च किया था। भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यू.पी.आई.) और सिंगापुर के "पे-नाओ" के लिंकेज से अब दोनों देशों के लोग तेजी से और किफायती डिजिटल ट्रांसफर कर सकते हैं। इसकी मदद से सिंगापुर में रहने वाले भारतीय प्रवासी मजदूर सिंगापुर से भारत में कम कीमत में पैसे भेज सकते हैं। "पे-नाओ और यू.पी.आई." लिंकेज स्केलेबल क्लाउड-आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करने के लिए दुनिया का पहला रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम लिंकेज है, जो भविष्य में बढ़ने वाली ट्रैफिक को कंट्रोल कर सकता है। शुरुआत में, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, इंडियन बैंक और आई.सी.आई.सी.आई. बैंक ऑउटवर्ड रेमिटेंस की सुविधा प्रदान करेंगे, जबकि एक्सिस बैंक और डीबीएस इंडिया इनवर्ड रेमिटेंस की सुविधा प्रदान करेंगे। भारत की यू.पी.आई. सेवा को 2016 में लॉन्च किया गया था, और तब से यह व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन में अग्रणी सबसे लोकप्रिय और पसंदीदा पेमेंट मोड के रूप में उभरा है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908